



दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास....

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महाराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

भोजपुरी गाना कमर 28 रिलीज, ...8

बलरामपुर

मंगलवार, 13 जनवरी 2026

वर्ष: 05 अंक : 101 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश

8795951917, 9415163471

@budhakasandesh

budhakasandeshnews@gmail.com

www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

सीएम योगी का अधिकारियों को अल्टीमेटम, अवैध अतिक्रमण पर चले बुलडोजर, कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दल (एमडीए) के दौरे पर विभिन्न जिलों के याचिकाकर्ताओं से मुलाकात की और उनकी शिकायतें सुनीं। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि जनता से आवेदन प्राप्त होने के बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कार्रवाई करने के निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि किसी भी परिस्थिति में अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भूमि माफियाओं और दबंगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है और नियमित रूप से जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मुद्दों का शीघ्र और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया और जनता को आश्वासन दिया कि सरकार उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि कुछ याचिकाकर्ताओं ने भूमि अतिक्रमण और मारपीट की शिकायत दर्ज कराने के लिए मुख्यमंत्री से संपर्क किया। मुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक व्यक्ति से मुलाकात की, उनकी शिकायतें सुनीं और उनके आवेदन प्राप्त किए। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों को जिला स्तरीय कानून और राजस्व



मामलों की सुनवाई और समाधान में तेजी लाने का निर्देश दिया। "कानून व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता है। इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।" मुख्यमंत्री ने जिला, मंडल, रेंज और

जोन स्तर पर प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे बाहुबलियों और भूमि माफियाओं के खिलाफ नियमित रूप से सख्त से सख्त कार्रवाई जारी रखें। उत्तर प्रदेश सरकार ने 31 जनवरी तक राज्य भर में सड़क सुरक्षा माह मनाया है, जिसमें श्रमिकों और परिवारों और अपने भविष्य की रक्षा करने और सवारों और पैदल यात्रियों के सड़क व्यवहार में बदलाव लाने का संकल्प लिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लापरवाही से वाहन चलाने के कारण राज्य में हुई मौतों पर दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य के

20 दुर्घटनाग्रस्त जिलों में विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसका उद्देश्य ऐसी मौतों को शून्य तक लाना है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने अपने पोस्ट में लिखा, "31 जनवरी तक हम राज्य भर में सड़क सुरक्षा माह मना रहे हैं। यह अपने परिवारों और अपने भविष्य की रक्षा करने का संकल्प है। हमारा लक्ष्य चालकों और पैदल यात्रियों के सड़क व्यवहार में बदलाव लाना है। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की दर को शून्य तक लाने के लिए राज्य के 20 दुर्घटनाग्रस्त जिलों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है।"

मकर संक्रांति पर योगी सरकार का बड़ा फैसला, उत्तर प्रदेश में 15 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश का ऐलान

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने मकर संक्रांति के अवसर पर 15 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। यह निर्णय एक आधिकारिक अधिसूचना के माध्यम से जारी किया गया है और सभी सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और राज्य द्वारा संचालित प्रतिष्ठानों पर लागू होता है। अधिसूचना के अनुसार, सभी राज्य सरकारी विभाग, स्कूल और सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थान बंद रहेंगे। गौरतलब है कि मकर संक्रांति का त्योहार देश भर में 14 जनवरी के बजाय 15 जनवरी को मनाया जा रहा है। मकर संक्रांति के अवसर पर प्रयागराज, कानपुर, वाराणसी, उन्नाव, मेरठ और बिजनौर सहित उत्तर प्रदेश के प्रमुख गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है।

आतंकवाद पूरी मानवता के लिए खतरा

पीएम मोदी का ऐलान-जर्मनी-भारत मिलकर इससे लड़ेंगे

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की उपस्थिति में भारत और जर्मनी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम एकमत हैं कि आतंकवाद पूरी मानवता के लिए एक गंभीर खतरा है। भारत और जर्मनी इसके विरुद्ध एकजुट होकर पूरी दृढ़ता से लड़ाई जारी रखेंगे। भारत और जर्मनी सहमत हैं कि वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक संस्थाओं में सुधार अत्यंत महत्वपूर्ण है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए 64 के माध्यम से हमारा संयुक्त प्रयास इसी सोच का प्रमाण है। आज हमने यूक्रेन और गाजा सहित कई वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। भारत सभी समस्याओं और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का पक्षधर रहा है और इस दिशा में किए जा रहे सभी प्रयासों का समर्थन करता है। पीएम मोदी ने कहा कि रक्षा और सुरक्षा



में बढ़ता सहयोग हमारे आपसी भरोसे और साझी सोच का प्रतीक है। रक्षा व्यापार से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए मैं चांसलर मर्ज का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। हम रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए एक रोडमैप पर भी काम करेंगे, जिससे सह-विकास और सह-उत्पादन के नए अवसर खुलेंगे। भारत

और जर्मनी के बीच तकनीकी सहयोग प्रति वर्ष मजबूत हुआ है और आज इसका प्रभाव जमीन पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत और जर्मनी की प्राथमिकताएं समान हैं। चांसलर मर्ज की ये यात्रा एक विशेष समय पर हो रही है। पिछले वर्ष हमने अपनी रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे किए और इस वर्ष हम अपने राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष भी मना रहे हैं। ये माइलस्टोन केवल समय की उपलब्धियों नहीं हैं, ये हमारी साझा महत्वाकांक्षाओं, परस्पर विश्वास और निरंतर सशक्त होते सहयोग के प्रतीक हैं...भारत और जर्मनी जैसे देशों की अर्थव्यवस्थाओं के बीच करीबी सहयोग पूरी मानवता के लिए महत्वपूर्ण है।

निर्वाचन आयोग ने पूर्व नौसेना प्रमुख को भेजे गए नोटिस पर स्पष्टीकरण दिया

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने गोवा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत नौसेना के पूर्व प्रमुख एडमिरल (सेवानिवृत्त) अरुण प्रकाश को नोटिस जारी करने पर सोमवार को स्पष्टीकरण दिया, जिसमें कहा गया है कि उनके गणना प्रपत्र में पिछली एसआईआर से संबंधित अनिवार्य विवरण शामिल नहीं थे। आयोग ने सेवानिवृत्ति के बाद से गोवा में रह रहे प्रकाश को एसआईआर प्रक्रिया के तहत अपनी गणना स्थापित करने के लिए बुलाया था। सशस्त्र बलों से सेवानिवृत्त हुए कर्मियों सहित कई लोगों ने प्रकाश को इस तरह का नोटिस भेजे जाने पर सोशल मीडिया पर चिंता व्यक्त की थी। प्रकाश को 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध



एकत्र किया था। उन्होंने कहा, "यह देखा गया कि उक्त गणना प्रपत्र में पिछले एसआईआर से संबंधित अनिवार्य विवरण शामिल नहीं थे, जिनमें मतदाता का नाम, ईपीआईसी नंबर, रिश्तेदार का नाम, विधानसभा क्षेत्र का नाम और संख्या, भाग संख्या और मतदाता सूची में क्रम संख्या शामिल हैं।" अधिकारी ने बताया कि इन आवश्यक पहचान विवरणों के अभाव में, बीएलओ एप्लिकेशन प्रस्तुत गणना प्रपत्र और मौजूदा मतदाता सूची डेटाबेस के बीच स्वचालित संबंध स्थापित करने में असमर्थ था। स्पष्टीकरण में कहा गया है, चूंकि पिछली एसआईआर से संबंधित सभी जानकारी नहीं दी गई थी, इसलिए सिस्टम ने गणना प्रपत्र को अनमैप श्रेणी के अंतर्गत वर्गीकृत किया।

अमित शाह विवेकानंद और राजमाता जीजाबाई को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को संत व आध्यात्मिक नेता स्वामी विवेकानंद और मराठा सम्राट छत्रपति शिवाजी की माता राजमाता जीजाबाई की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ था और उनका नाम नरेन्द्रनाथ दत्त था। उनकी जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाई जाती है। राष्ट्रीय युवा दिवस पर 'एक्स' पर एक संदेश में शाह ने कहा, "मैं स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करता हूँ और राष्ट्रीय युवा दिवस पर सभी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। स्वामी विवेकानंद ने देश के युवाओं को भारत की ज्ञान परंपरा, दर्शन व आध्यात्म से जोड़ और इसे वैश्विक मंचों तक पहुंचाया।"

मुंबई विवाद पर आदित्य ठाकरे का बीजेपी पर बड़ा आरोप, कहा- पूरा महाराष्ट्र उद्योगपतियों को बेच रहे हैं

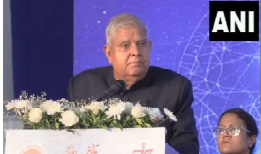
मुंबई को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अन्नामलाई के बयान पर विवाद खड़ा होने के एक दिन बाद, शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने सोमवार को कहा कि यह स्पष्ट हो गया है कि पार्टी का एकमात्र उद्देश्य राज्य का अपमान करना और उसे लूटना है। ठाकरे ने मुंबई में पत्रकारों से कहा कि अन्नामलाई भाजपा का चेहरा हैं, जो शून्य है। वे वहां चुनाव नहीं जीत सकते और अपनी जमानत भी नहीं बचा सकते। ऐसा दिखाया गया कि अगला प्रधानमंत्री वही होंगे, लेकिन वास्तव में, तमिलनाडु ने उन्हें शून्य साबित कर दिया है। जहां मुख्यमंत्री स्टालिन तमिलनाडु को इतनी तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं, वहीं ये लोग सिर्फ लड़ रहे हैं, गाली-गलौज कर रहे हैं। अन्नामलाई ने महाराष्ट्र का अपमान किया है, और राज्य इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।

मनरेगा पर घमासान: जी किशन रेड्डी का आरोप,तेलंगाना कांग्रेस फैला रही है झूठ

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को तेलंगाना कांग्रेस पर ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (वीबी जी राम जी अधिनियम) में हाल ही में पारित संशोधन के संबंध में गलत जानकारी फैलाकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। मंत्री रेड्डी ने जोर देकर कहा कि यह योजना किसानों और कृषि मजदूरों के लिए बेहद लाभदायक है, क्योंकि इसके तहत अतिरिक्त धनराशि आवंटित की जा रही है और मजदूरों की राशि सीधे श्रमिकों के बैंक खातों में जमा की जा रही है। तेलंगाना कांग्रेस सरकार कार्यक्रम के बारे में गलत जानकारी फैलाकर जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने कहा कि यह योजना केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई है और किसानों और कृषि मजदूरों के लिए बेहद फायदेमंद है, क्योंकि इसके लिए अतिरिक्त धनराशि आवंटित की जा रही है और राशि सीधे श्रमिकों के बैंक खातों में जमा की जा रही है। उन्होंने राज्य सरकार से केंद्र के साथ सहयोग करने का आग्रह किया ताकि जनता को अधिकतम लाभ मिल सके। केंद्रीय मंत्री का यह बयान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (पूर्व नाम एमजीएनआरजीए) में बदलावों का विरोध जारी रखने के पार्टी के संकल्प को दोहराने के कुछ घंटों बाद आया है।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की तबीयत बिगड़ी, दिल्ली के एम्स में भर्ती

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को सोमवार को अखिल भारतीय आयुर्वेद विज्ञान संस्थान (एआईएमएस) में भर्ती कराया गया, जहां पिछले सप्ताह दो बार बेहोश होने के बाद उनका एमआरआई किया जाएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 10 जनवरी को, जब वे वॉशरूम गए थे, तब उन्हें दो बार बेहोशी का दौरा पड़ा था। एक अधिकारी ने बताया कि आज वे जांच के लिए एआईएमएस गए थे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें जांच के लिए भर्ती करने की सलाह दी।



एनएसजी का आतंक पर डिजिटल स्ट्राइक आईईडी डाटा सिस्टम से जुड़ेंगे देश के 780 जिले

नई दिल्ली। भारत अपनी आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने जा रहा है, क्योंकि देश भर के 780 जिले जल्द ही राष्ट्रीय आईईडी डेटा प्रबंधन प्रणाली (एनआईडीएमएस) के पहले चरण से जुड़ जाएंगे। एनआईडीएमएस देश का पहला व्यापक डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) घटनाओं की निगरानी और विश्लेषण के लिए समर्पित है। भारत के विशिष्ट आतंकवाद-विरोधी बल, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) द्वारा विकसित, एनआईडीएमएस को राष्ट्रीय स्तर पर आईईडी से संबंधित डेटा के व्यवस्थित संग्रह, संकलन और प्रसार को सक्षम बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। कार्यान्वयन का पहला चरण पहले ही शुरू हो चुका है और उम्मीद है कि यह जिला स्तरीय कानून प्रवर्तन इकाइयों और चुनिंदा विशेष बलों सहित लगभग 800 अंतिम उपयोगकर्ताओं को एक अत्यंत



जोड़ेगा। एक वरिष्ठ एनएसजी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर एनआईडी को बताया सिस्टम की अंतिम उपयोगकर्ता कनेक्टिविटी जिला स्तर तक फैली हुई है। पहले चरण में हम लगभग 800 अंतिम उपयोगकर्ताओं को एनआईडीएमएस से जोड़ने पर काम कर रहे हैं। इनमें लगभग 780 जिले, अन्य स्थानीय इकाइयों और विशेष सीमा बल इकाइयां शामिल हैं जिन्हें आवश्यकतानुसार डेटा तक पहुंच की आवश्यकता हो सकती है। सभी डेटा एक सुरक्षित नेटवर्क के माध्यम से साझा किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि एनआईडीएमएस में 1999 से लेकर

अब तक के आईईडी विस्फोट और बचाव कार्य से संबंधित डेटा मौजूद है, जो इसे देश के सबसे व्यापक बम संबंधी डेटाबेस में से एक बनाता है। पहले विभिन्न एजेंसियों में बिखरे हुए हजारों डेटा बिंदुओं को अब डिजिटलाइज करके एक ही प्लेटफॉर्म पर एकीकृत कर दिया गया है। इसका उद्देश्य विस्फोट के बाद की जांच में सहायता करना और सुरक्षा एवं कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाना है। एनएसजी के राष्ट्रीय बम डेटा केंद्र (एनबीडीसी) ने भारत सरकार से अनुमति प्राप्त करने के बाद दो दशकों से अधिक समय से आईईडी से संबंधित डेटा संकलित किया है। हम देश भर में बरामद किए गए सभी आईईडी और विस्फोट की घटनाओं का विवरण संग्रहित और सुरक्षित रखते हैं। अधिकारी ने बताया यह संपूर्ण डेटासेट अब डिजिटल रूप में एनआईडीएमएस पर अपलोड कर दिया गया है।

6000 करोड़ फ्रॉड केस में बड़ा एक्शन

ईडी को धमकाने वाला कल्याण बनर्जी गिरफ्तार, नौहेरा शेख का करीबी?

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हैदराबाद में नौहेरा शेख और अन्य के खिलाफ 5,978 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांचकर्ताओं को धमकाने और जांच प्रक्रिया में बाधा डालने की कोशिश कर रहे एक फर्जी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। कल्याण बनर्जी नामक इस फर्जी व्यक्ति को 10 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। ईडी के हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय ने बनर्जी को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत गिरफ्तार किया। बनर्जी को 11 जनवरी को विशेष पीएमएलए अदालत के समक्ष पेश किया गया और अदालत ने उन्हें 23 जनवरी, 2026 तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। ईडी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पकड़ी गई बेईमान व्यक्ति द्वारा जांच कार्यवाही में हस्तक्षेप करने के किसी भी प्रयास से सख्ती से निपटा जाएगा और



उनके खिलाफ कानून के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी। ईडी ने आगे बताया कि वह विभिन्न राज्यों के पुलिस अधिकारियों द्वारा दर्ज की गई कई एफआईआर के

आधार पर नौहेरा शेख और अन्य के खिलाफ पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत एक मामले की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों की जांच में अन्य बातों के अलावा यह पता चला कि नौहेरा शेख और अन्य ने जनता से 36 प्रतिशत से अधिक वार्षिक रिटर्न का वादा करके 5978 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश एकत्र किया था, लेकिन मूलधन तक वापस नहीं किया,

जिससे निवेशकों को धोखा दिया गया। ईडी की जांच में पता चला कि नौहेरा शेख ने अपराध से प्राप्त धन के एक हिस्से का उपयोग अपने नाम, अपनी कंपनियों के नाम और अपने रिश्तेदारों के नाम पर विभिन्न अचल संपत्तियों की खरीद के लिए किया था। जांच के दौरान, ईडी द्वारा 428 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई है और हैदराबाद में विशेष पीएमएलए

अदालत में अभियोजन शिकायत और पूरक अभियोजन शिकायत दायर की गई है। इस मामले में पीएमएलए की जांच और अदालत के समक्ष चल रहे मामलों के दौरान, ईडी ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष एक आवेदन दायर कर पुष्टि की गई कुर्क संपत्तियों की नीलामी का प्रस्ताव रखा ताकि उससे प्राप्त आय को धोखाधड़ी के पीड़ितों को वापस किया जा सके।

महान समाज सुधारिक व असली शिक्षिका टीबी उन्मूलन हेतु विशेष थीं सावित्रीबाई फूले : लौटनराम निषाद

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। भारत की प्रथम महिला शिक्षिका, महान समाज सुधारिका एवं नारी शिक्षा की अग्रदूत सावित्रीबाई फूले की जयंती जनपद के भनवापुर ब्लाक क्षेत्र के बभनी बाजार चौराहा पर पुनीत कुमार गौतम के संयोजकत्व व रामबुझारत भारती की अध्यक्षता में मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पिछड़ावर्ग प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चौ.लौटनराम निषाद ने सावित्रीबाई फुले के जीवन और कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सावित्रीबाई फुले ने समाज की कुरीतियों, जाति भेदभाव और नारी शिक्षा के विरोध के बावजूद बालिकाओं और वंचित वर्गों के लिए शिक्षा का दीप जलाया।



उनका साहस और समर्पण आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने अपने पति महात्मा ज्योतिबा फुले के साथ मिलकर भारत में 1 जनवरी, 1848 में पहला बालिका विद्यालय स्थापित किया और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की राह दिखाई। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह, बाल विवाह विरोध, छुआछूत उन्मूलन और महिला सशक्तिकरण के लिए बहुत

महत्वपूर्ण कार्य किया। सामाजिक योगदान का उल्लेख करते हुए बताया कि वे न केवल शिक्षिका थीं, बल्कि एक कवयित्री, समाज सुधारक और मानवता की सच्ची सेविका भी थीं। महामारी के समय उन्होंने बीमारों की निरुस्वार्थ सेवा कर मानवता की मिसाल पेश की। एसआईआर में आप सब तनिक भी लापरवाही न करें। क्योंकि यह एनआरसी का ही

बदला रूप है। भाजपा-आरएसएस पीडीए के लोगों का मताधिकार, नागरिकता, राशनकार्ड व संवैधानिक अधिकारों को छीनने की साजिश कर रही है। संविधान लागू होने के बाद पहली बार इस तरह का एसआईआर कराकर पीडीए को परेशान किया जा रहा है। एसआईआर फार्म भरे जिन लोगों का इनरोल्ड ड्राट में जिनका नाम नहीं आया है। नोटिस आने पर निवास व जन्म प्रमाण सम्बंधित दस्तावेज प्रस्तुत कर सावधानीपूर्वक सही करायें। जिनका एसआईआर फार्म नहीं आया था व वे जो 1 जनवरी, 2026 को 18 वर्ष के हो चुके हैं, वे नया मतदाता बनने के लिए प्रारूप-6 भरें। पीडीए के लोगों से आग्रह है कि सक्रिय होकर अपनों का

एसआईआर दुरुस्त कराने व फार्म-6 भरने-भरवाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा मिशन-2027 में सपा सरकार नहीं बनी तो भाजपा-आरएसएस पीडीए का संवैधानिक अधिकार व लोकतांत्रिक मूल्यों को खत्म कर देगी। कार्यक्रम का संचालन अफजल खान व धन्यवाद ज्ञापन समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव व जिला पंचायत सदस्य बेचई प्रसाद यादव ने किया। इस कार्यक्रम को रामपाल यादव, रामदास गौतम, रामकेश यादव, श्रवण कुमार गौतम, जीतेन्द्र कुमार निषाद प्रधान, महादेव गौतम, रंगीला ल यादव, निर्मल मौर्य एडवोकेट, सुरेश यादव, अनारुल्ला, आरिफ खान, शिवपाल यादव, बबबन यादव आदि ने भी सम्बोधित किया।

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय क्षय रोग

उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी मुक्त वाराणसी के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु आज पीएमश्री राजकीय अभिनव इंटर कॉलेज, जखनी में स्वास्थ्य विभाग की सहयोगी संस्था द्वारा टीबी जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया।

इस दौरान गांधी फेलो ऋषिका द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को टीबी की वर्तमान स्थिति, इसके कारण, लक्षण, रोकथाम एवं उपचार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। साथ ही जिले में टीबी उन्मूलन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से भी अवगत कराया गया। वही गांधी फेलो के सहयोग से सत्र को संवादात्मक एवं सहभागितापूर्ण

तरीके से संचालित किया गया। टीबी क्या है, इसके प्रमुख



लक्षण, संक्रमण से बचाव के उपाय, टीबी से जुड़े मिथक एवं वास्तविक तथ्य तथा समय पर जांच एवं पूरा उपचार सुनिश्चित करने के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। छात्र-छात्राओं द्वारा कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी करते हुए प्रश्न पूछे गए एवं अपने विचार साझा किए गए। उनकी जिज्ञासा और सकारात्मक प्रतिक्रिया से यह स्पष्ट हुआ कि विद्यालय स्तर पर इस

प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान यह भी बताया गया कि युवा वर्ग टीबी उन्मूलन अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। छात्राओं को टीबी से संबंधित सही जानकारी अपने परिवार, सहपाठियों एवं समुदाय तक पहुँचाने, लक्षणों की पहचान कर समय पर जांच के लिए प्रेरित करने तथा सामाजिक स्तर पर टीबी से जुड़े कलंक एवं भ्रांतियों को दूर करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही उन्हें स्वास्थ्य एम्बेसडर के रूप में अपने विद्यालय एवं आसपास के क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने हेतु प्रोत्साहित करते हुए सफल दिलाया गया इस दौरान प्रधानाध्यापक अशोक कुमार यादव, अध्यापक वैष्णवी देवी सहित लगभग दो सौ छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई गई

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के इटवा नगर इकाई के तत्वावधान में श्याम राजी जुनियर हाईस्कूल में युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें स्वामी विवेकानंद के विचारों, राष्ट्रभक्ति और युवा शक्ति की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर राहुल चौरसिया, प्रांत स्कूली कार्य सह संयोजक ने कहा कि "स्वामी विवेकानंद जी केवल एक महान संत ही नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के शिल्पकार थे। उन्होंने युवाओं को अपनी शक्ति पहचानने, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और राष्ट्र के प्रति समर्पित होने का संदेश दिया। आज देश को

जिस ऊर्जावान, संस्कारित और जागरूक युवा शक्ति की



आवश्यकता है, उसका मार्ग स्वामी विवेकानंद जी के विचारों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। यदि हम उनके आदर्शों, चरित्र निर्माण, शिक्षा, सेवा और राष्ट्रभक्ति को अपने जीवन में उतार लें तो भारत पुनः विश्वगुरु बन सकता है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद निरंतर युवाओं को इसी दिशा में संगठित कर राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित कर रही है।" शैलेश त्रिपाठी, नगर

अध्यक्ष अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इटवा ने कहा कि "स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को आत्मविश्वास और कर्तव्य पथ पर चलने का मार्ग दिखाया। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं।" कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित एबीवीपी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कालेज के शिक्षक/शिक्षिकाओं के अलावा प्रियंका जायसवाल, किरन यादव, रिकू विश्वकर्मा, रागनी जायसवाल, प्रांजल द्विवेदी, अमन यादव सहित तमाम छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे।

युवाओं के पेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद धूमधाम से मनाई गई जयंती

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। युवाओं के प्रेरणा

स्रोत स्वामी विवेकानंद को आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण और राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करने हेतु, उनके ओजस्वी विचारों को याद किया जाता है, जो उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत जैसे संदेशों से प्रेरित करते हैं। उन्हें भारतीय संस्कृति का गौरव और युवाओं के प्रेरणा स्रोत रूप में नमन किया जाता है। उनके जन्मदिवस को राष्ट्रीय युवा दिवस रूप में मनाया जाता है। उनका मानना था कि युवा शक्ति राष्ट्र का आधार है। उक्त विचार जिला एकीकरण समिति सिद्धार्थनगर के तत्वावधान में सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल करौंदा मसिना में स्वामी विवेकानंद जयंती

राष्ट्रीय युवा दिवस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि श्री ज्ञान प्रकाश

आयोजित किया गया। कार्यक्रम को इंजीनियर ओ.पी. सिंह चेंयरमैन सिद्धार्थ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट, डॉ. सूरज कुमार यादव चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जोगिया, जगदेव स्वास्थ्य पर्यवेक्षक, भाग्यवती पांडे प्रमारी निरीक्षक महिला थाना, जिला



अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), सिद्धार्थनगर ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण कर अपने संदेश में व्यक्त किया। अध्यक्षीय संबोधन में जयशंकर प्रसाद मा. सदस्य स्थाई लोक अदालत सिद्धार्थनगर ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। हम सभी को उक्त अवसर पर उनके व्यक्तित्व एवं तित्व से प्रेरणा लेनी चाहिए। उक्त अवसर पर योग कार्यक्रम भी

समन्वयक सचिव दानंद समेत तमाम लोगों व स्कूली बच्चों ने भी संबोधित किया। उक्त अवसर पर अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों का स्वागत व आभार ज्ञापन डॉ. प्रवीन टॉक प्रधानाचार्या व सिद्धार्थ शंकर ने किया तथा संचालन डॉ. हेमंत दुबे ने किया। उक्त अवसर पर विद्यालय के शिक्षक/शिक्षिका व स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत बेहलाशा सिकरी नियमों को ताल पर रखकर हो रहा काम

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/ सिद्धार्थनगर विकास खण्ड इटवा के ग्राम पंचायत बेहलाशा सिकरी में इस समय इन्टरलाकिंग वा नाली निर्माण कार्य



को बिछाया जा रहा है। इस संबंध सचिव हरेंद्र नाथ पांडे से बात किया तो बताया कि अभी मेरा उस गांव में ज्वॉइनिंग हुआ है अगर ऐसा है तो पैमेंट रोक दिया जाएगा।

जागृत सज्जन शक्ति से ही बनेगा सशक्त भारत : विशाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी डेबरूआ/सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के



शताब्दी वर्ष के अवसर पर बढ़नी डेबरूआ मंडल में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में समाज में सज्जन शक्ति की जागृति पर विशेष बल दिया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए संघ के जिला प्रचारक विशाल ने कहा कि सशक्त भारत का निर्माण तभी संभव है, जब समाज की सज्जन शक्ति जागृत होगी। उन्होंने कहा कि संघ का कार्य किसी को संगठित करना नहीं, बल्कि समाज में निहित सकारात्मक और राष्ट्रवादी शक्ति को जागृत करना है। उन्होंने भारत के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भूमि सदैव विश्व को सत्य, धर्म और शांति का संदेश देती रही है। उसी परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए संस्कारयुक्त समाज का निर्माण आवश्यक है। उन्होंने चेताया कि संस्कारहीनता राष्ट्र को कमजोर कर सकती है। सम्मेलन में संघ के शताब्दी वर्ष के लक्ष्य, हिंदू समाज की एकता तथा पंच परिवर्तन के विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह ने सामाजिक समरसता, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्यों के पालन का संकल्प लेते हुए राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनने का निर्णय लिया।

आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण और राष्ट्र सेवा के लिए स्वामी विवेकानन्द के ओजस्वी विचारों को किया जाता है याद

दैनिक बुद्ध का संदेश

जोगिया/सिद्धार्थनगर। आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण और

राष्ट्र सेवा के लिए स्वामी विवेकानन्द के ओजस्वी विचारों को याद किया जाता है, जो उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत जैसे संदेशों से प्रेरित करते हैं। उन्हें भारतीय संस्कृति का गौरव और युवाओं के प्रेरणा स्रोत रूप में नमन किया जाता है। उनके जन्मदिवस को राष्ट्रीय युवा दिवस रूप में मनाया जाता है। उनका मानना था कि युवा शक्ति राष्ट्र का आधार है। उक्त विचार जिला एकीकरण समिति सिद्धार्थनगर के तत्वावधान में सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल करौंदा



मसिना में राष्ट्रीय युवा दिवस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सिद्धार्थनगर ज्ञान प्रकाश ने स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर माल्यार्पण कर अपने संदेश में व्यक्त किया। अध्यक्षीय संबोधन में जयशंकर प्रसाद सदस्य स्थाई लोक अदालत

इंस्टीट्यूट इंजी० ओ०पी० सिंह, सीएचसी चिकित्सा अधिकारी जोगिया डॉ० सूरज कुमार यादव, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक जगदेव, प्रमारी निरीक्षक महिला थाना भाग्यवती पाण्डेय, जिला समन्वयक सचिव दानन्द सहित तमाम लोगों व स्कूली बच्चों ने भी सम्बोधित किया। उक्त अवसर पर अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। अतिथियों का स्वागत व आभार डॉ० प्रवीन एवं सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य सिद्धार्थ शंकर ने किया तथा संचालन डॉ० हेमन्त दुबे ने किया। उक्त अवसर पर विद्यालय के शिक्षक/शिक्षिकाएं व स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

सिद्धार्थनगर ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। हम सभी को उक्त अवसर पर उनके व्यक्तित्व एवं तित्व से प्रेरणा लेनी चाहिए। उक्त अवसर पर योग कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम को चेंयरमैन सिद्धार्थ ग्रुप ऑफ

विधिक साक्षरता शिविर हुआ आयोजित, छात्रों को किया गया जागरूक



दैनिक बुद्ध का संदेश
डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। तहसील डुमरियागंज प्रशासन द्वारा बैदौलागढ़ स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में सोमवार को विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से छात्र-छात्राओं को नशामुक्त समाज, कानून के प्रति जागरूकता तथा सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने का संदेश दिया गया। शिविर की अध्यक्षता नायब तहसीलदार विष्णु प्रसाद सिंह ने की, जबकि कार्यक्रम के सफल आयोजन में कालेज के

प्राचार्य गौरी शंकर त्रिपाठी का विशेष सहयोग रहा। यह शिविर एनसीबी की "जीवन को हां कहें, नशे को ना कहें" ई-प्रतिज्ञा पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना रहा। शिविर में नायब तहसीलदार विष्णु प्रसाद सिंह ने विद्यार्थियों को ड्रग्स के सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों एवं शरीर पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी और युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने बताया



कि युवा देश का भविष्य हैं और नशा उनके भविष्य को अंधकार की ओर ले जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार व समाज को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें, ताकि एक स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण हो सके। कार्यक्रम में मनीष यादव ने बाल विवाह रोकथाम अधिनियम, 2006 की जानकारी दी, वहीं पीएलवी अंकुर कुमार ने स्थायी लोक अदालत की कार्यप्रणाली से छात्र-छात्राओं को अवगत

कराया। पीएलवी स्वादी श्रीवास्तव ने विभिन्न राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1933, 14446, 15100, 1090, 1098 तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने और समाज को जागरूक करने का संकल्प लिया। इस दौरान न्याय लिपिक उदयभान, लेखपाल देवेन्द्र कुमार राठौर, अभिषेक, विनय, अभिषेक यादव, कुलदीप, शिवम, दिनेश आदि सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

मंत्री ने सिद्धार्थनगर पुलिस लाइन में स्थित 100 पुरुष कार्मिकों हेतु ऋ-5 हास्टल/बैरक का किया लोकार्पण

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। मंत्री श्रम एवं सेवायोजन समन्वय विभाग उ०प्र०



अनिल राजभर द्वारा सदर विधायक श्यामधानी राहो, जिलाधिकारी शिवशरणा जीएन, पुलिस अधीक्षक डॉ० अभिषेक महाजन सहित जिलाध्यक्ष कन्हैया पासावान के साथ जनपद सिद्धार्थनगर पुलिस लाइन में स्थित 100 पुरुष कार्मिकों हेतु ऋ-5 हास्टल/बैरक का लोकार्पण किया गया। इस दौरान मंत्री जी ने पुलिस लाइन में पौधारोपण भी किया। जिसमें पुलिसकर्मियों हेतु आधुनिक बैरक, स्नानागार, शौचालय भोजनालय आदि निर्मित को लेकर मंत्री जी द्वारा यह आशा व्यक्त किया गया कि इस भवन के हस्तगत होने से पुलिस कार्य में एवं पुलिस कर्मियों को निश्चित ही पहले से बेहतर सुविधायें प्राप्त होगी। उक्त अवसर पर सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी सदर एवं अन्य पुलिसकर्मियों उपस्थित रहें।

सीओ ने थाना इटवा पर स्थापित साइबर सेल का किया आकस्मिक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश
इटवा/सिद्धार्थनगर। एसएसपी सिद्धार्थनगर डॉ० अभिषेक



महाजन के आदेश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी इटवा पचीन प्रकाश द्वारा सोमवार को सर्फिल इटवा के थाना इटवा पर स्थापित साइबर सेल का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान एनसीआरपी (छब्बे) पोर्टल व विभिन्न अभिलेखों/रजिस्टरों की गहन जांचकर उनके अद्यतन रख-रखाव के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस अवसर पर इटवा पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सम्पादकी

इन आक्रमणकारियोंमें खिलजी और मुगल हमलावर हैं। मुगल कट्टरपंथी शासक औरंगजेब ने सोमनाथ मंदिर की पुनः सन् 1706 ईस्वी में गिरवा दिया। इस समय जो मंदिर खड़ा है, उसे भारत के गृह मन्त्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने बनवाया और पहली दिसम्बर 1955 ईस्वी को भारत के राष्ट्रपति डब्ल० राजेन्द्र प्रसाद ने इसे राष्ट्र को समर्पित किया। सन 1948 ईस्वी में प्रभासतीर्थ, प्रभास पाटण ...

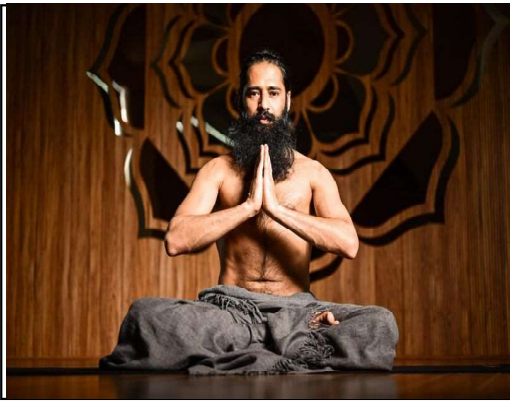


आपको बता दें कि सोमनाथ मंदिर का निर्माण अतीत में कई बार हुआ है। पौराणिक तथ्यों के अनुसार, इसे चंद्रदेव सोमराज ने सोने से, रावण ने चांदी से, भगवान .ष्ण ने लकड़ी से, और बाद में राजा भीमदेव ने पत्थर से बनवाया था। वर्तमान मंदिर का पुनर्निर्माण 1950 के दशक में हमारे देश के गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के प्रयासों से संभव हुआ। आज लगभग 75 वर्षों के बाद एक नवीनतम कलेवर में वर्तमान सोमनाथ मंदिर है। मंदिरों के आकर्षण और जीर्णोद्धार

सोमनाथ मंदिर का पुनः जीर्णोद्धार हुआ है। आपको यह बात छोटी प्रतीत हो सकती है कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी ने मस्तक पर त्रिपुंड लगाकर भगवान शिव के डमरू को बजाया। यह स्वतंत्र भारत की विलक्षण परिघटना है। यह भारत के एक हजार वर्षों का ऐतिहासिक तथ्य भी है कि जब हमारे देश के शासक ने धर्मध्वजा फहराई है। इसके पूर्व पवित्र श्री अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के निर्माण की पूर्णता पर प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी के साथ पूज्य डॉ मोहन भागवत जी भी उपस्थित थे। वहां भी धर्म पताका, नए भारत की नई तस्वीर थी।

भारत के अलावा कई देशों में भी नमस्कार की मुद्रा को अत्यंत प्रभावशाली और चमत्कारी माना जाता है। जापानी भाषा में इसे ‘गाशो’ कहा जाता है। भारत समेत कई देशों का यही मानना है कि हाथ जोड़ना केवल एक शारीरिक मुद्रा नहीं, बल्कि यह एक गहरी आध्यात्मिक मनोस्थिति को भी दर्शाता है। भारतीय दर्शन के अनुसार, हमारे हाथ ऊर्जा के उत्सर्जन केंद्र हैं। जब नमस्कार की मुद्रा में दोनों हाथ जोड़े जाते हैं तो मन को असीम शांति मिलती है। प्रार्थना के लिए दोनों हाथों को जोड़ा जाता है। भारत के अलावा कई देशों में भी नमस्कार की मुद्रा को अत्यंत प्रभावशाली और चमत्कारी माना जाता है। जापानी भाषा में इसे ‘गाशो’ कहा जाता है। भारत समेत कई देशों का यही मानना है कि हाथ जोड़ना केवल एक शारीरिक मुद्रा नहीं है, बल्कि यह एक गहरी आध्यात्मिक मनोस्थिति को दर्शाता है। जब हम हाथ जोड़ते हैं तो हमारी अंगुलियों के सिरे एक—दूसरे पर दबाव डालते हैं। ये प्रेशर प्वाइंट्स हमारे मस्तिष्क के उन हिस्सों से जुड़े होते हैं जो स्मरण शक्ति और एकाग्रता के लिए जिम्मेदार होते हैं। वहीं जापान में ‘गाशो’ के माध्यम से यह बताया जाता है कि जब दाएं और बाएं हाथ आपस में मिलते हैं, तो ये दो विपरीत चीजों

के मिलन के प्रतीक होते हैं जैसे स्वयं और दूसरा, प्रकाश और अंधकार। इनसे यह पता चलता है कि ब्रह्मांड में सब कुछ आपस में जुड़ा हुआ है और हम अलग—अलग नहीं हैं।



गाशो की मुद्रा में व्यक्ति का मन भटकना बंद कर देता है। मन एक ही स्थान पर केंद्रित हो जाता है। इसलिए अक्सर स्कूल में बच्चों को पढ़ाने से पहले दोनों हाथ जोड़कर प्रार्थना कराई जाती है। हमारे देश में जब कोई महत्वपूर्ण कार्य प्रारंभ किया जाता है तो पहले दोनों हाथ जोड़कर ईश्वर का स्मरण किया जाता है। ऐसा करने से मस्तिष्क की ऊर्जा एकाग्र हो जाती है और जिस कार्य को किया जाने वाला है, उसे बल मिलता है। हाथ जोड़ने का सही तरीका यह है कि दोनों

पर जितना कार्य हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी के कार्यकाल में हुआ है, इससे पूर्व नहीं हुआ था। वाराणसी में काशी विश्वनाथ की धार्मिक छटा चतुर्दिक व्याप्त है। अतीत के आईने में निहारें तो हम पाते हैं कि सोमनाथ मंदिर पर सर्वाधिक प्रसिद्ध और विनाशकारी आक्रमण सन 1025—1026 ईस्वी में तुर्क शासक महमूद गजनवी ने किया था। गजनवी ने सोमनाथ मंदिर को लूटा और तोड़ा। उसने हिन्दू अस्मिता और भाव पर कुठाराघात किया। सोमनाथ को हिन्दू संस्. ति और सभ्यता चेतना के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। हिन्दुओं की आस्था पर कुठाराघात करने के मामले में विदेशी इस्लामी शासक सर्वोपरि थे। बात यह है कि इतिहास में सोमनाथ ज्योतिर्लिंग पर अनेक बार इस्लामी हमले हुए हैं। इन आक्रमणकारियों में खिलजी और मुगल हमलावर हैं। मुगल कट्टरपंथी शासक औरंगजेब ने सोमनाथ मंदिर की पुनः सन् 1706 ईस्वी में गिरवा दिया। इस समय जो मंदिर खड़ा है, उसे भारत के गृह मन्त्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने बनवाया और पहली दिसम्बर 1955 ईस्वी को भारत के राष्ट्रपति डॉ० राजेन्द्र प्रसाद ने इसे राष्ट्र को समर्पित किया। सन 1948 ईस्वी में प्रभासतीर्थ, ३ प्रभास पाटण ३ के नाम से जाना जाता था। तथ्य है कि महमूद गजनवी ने मंदिर से भारी मात्रा में धन लूटा और उसे ९ मूर्तिभंजक ९ के रूप में जाना जाता है। इस्लाम के अनुयायियों ने बार बार हिंदू मंदिरों को तोड़ा। यद्यपि कि हमलों के बाद भी हिन्दू चेतना मध्यकाल में मंदिरों का पुनर्निर्माण कर लेती थी। कहने का अभिप्राय यह है कि एक हजार वर्षों के बाद एक ऐसे महान व्यक्तित्व ने सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण और जीर्णोद्धार कराया है, जिन्हें हम माननीय नरेंद्र मोदी जी के रूप में जानते हैं।

लेखक विनय कांत मिश्रा / दैनिक बुद्ध का संदेश

संस्कृति का मर्म समझें

‘संस्कृति, जो सुसंस्कृत करती है हमें। धरोहर हमारे देश की, जिसके सम्मुख नतमस्तक विश्व। ज्ञानोदय रुपी सूर्योदय हुआ, सबसे पहले यहां। ज्ञान रुपी रश्मियां फैली इसके प्रांगण में। अपनाया दूसरे देशों ने। संस्कृति सुसंस्कारों से सिंचित करती है और ज्ञान रुपी सूर्योदय भी सबसे पहले भारत में होता है। ऋतु—परिवर्तन, तीज—त्योहार, अतिथि—सत्कार आदि हमारी संस्कृति की विशेषताएं हैं।’ ‘अरुण यह मधुमय देश हमारा, जहां पहुंच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।’ हमारा देश महान है। यहां का आतिथ्य, परस्पर स्नेह, सौहार्द व त्याग काबिले—तारीफ हैं। हम अजनबी लोगों को अपना बनाने में पारंगत हैं। अहिंसा परमोधर्म, जीवों के प्रति करुणा, हमारी संस्कृति के मुख्य आकर्षण हैं। हम सभी धर्मों में आस्था रखते हैं। जाति—पाति भेदभाव से बहुत ऊपर हैं। हम में प्रेम व समर्पण की भावना कूट—कूट कर भरी है। रामचरितमानस में राम, लक्ष्मण, सीता, उर्मिला, भरत, शत्रुघ्न आदि सभी पात्रों का त्याग स्तुत्य है। दधीचि का अपनी हड्डियां दान देना श्लाघनीय है। भगवतष् गीता को मैनेजमेंट गुरु के रूप में विभिन्न देशों में पढ़ाया जाना उसकी उपयोगिता सिद्ध करता है। इसलिए भारत विश्व गुरु कहलाता था। धीरे—धीरे हम अपनी संस्कृति से दूर होते चले गए, जिसके परिणाम—स्वरूप जीवन—मूल्यों का निरंतर पतन होता गया। रिश्तों में संघ. लग गई तथा अविश्वास के कारण रिश्तों में खटास उत्पन्न हो गई। चारवाक दर्शन के ‘खाओ—पीओ और मौज उड़ाओ’ का प्रभाव हम पर हावी हो गया। मर्यादा न जाने कहां मुंह छुपाकर बैठ गई। बुजुर्ग, माता—पिता व गुरुजन हाशिये पर चले गए। शराब, सिगरेट व रेव पार्टियों का प्रचलन बढ़ गया। संबंध हैलो—हाय तक सिमट गए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा लिव—इन को मान्यता देना विचलित करता है। परंतु अब लिव—इन के लिए माता—पिता की अनुमति को आवश्यक स्वीकारा गया है। दूसरी ओर विदेशों में लोग हमारी संस्कृति अपना रहे हैं। वे योग, ध्यान की ओर आकर्षित हो रहे हैं। वेदों का महत्व वे स्वीकारने लगे हैं। दया, करुणा, ममता व संबंधों की स्वीकार्यता का भाव पनप रहा है तथा हिन्दू धर्म में उनकी श्रद्धा—आस्था बढ़ रही है। काश! हम अपनी संस्कृति के उदार दृष्टिकोण को स्वीकार पाते। आइए! हम सत्यमद्, शिवमद्, सुंदरमद् की राह पर चलते हुए शिव की भांति परहित में हलाहल का आचमन करने को सदैव तत्पर रहें। यही जीवन की सार्थकता है, जो हमें विभिन्न देशों की संस्कृति से उत्तम सिद्ध करती है।

तीसरा, ट्रंप को इस बात की परवाह नहीं कि भारत, जो एक पुराना दोस्त, भागीदार और उभरती हुई क्षेत्रीय शक्ति है, वह नाराज हो जाएगा। उन्हें यह भी याद नहीं कि 2019 में मोदी ने ट्रंप के चुनाव अभियान में भारतीय प्रवासियों को ‘अबकी बार, ट्रंप सरकार’ के नारे के साथ उनका समर्थन करने के लिए कहकर मदद की थी। कहा जा रहा है कि ट्रंप यह नहीं भूल पा रहे कि जब मोदी...

देश के लिए यह दौर विदेश नीति के मामले में चुनौतीपूर्ण है। विश्व स्तर पर यही स्थिति है। सबसे शक्तिशाली भागीदार अमेरिका के साथ भारत के कूटनीतिक संबंध सबसे खराब दौर में हैं। जाहिर वजह तो टैरिफ व रूसी तेल खरीद हैं। राष्ट्रपति ट्रंप को एक पुराने मित्र देश और उभरती क्षेत्रीय ताकत की भी परवाह नहीं। वर्ष 1998 में भारत द्वारा किए परमाणु परीक्षणों के बाद —जब अमेरिका ने प्रतिबंध लगाए थे और परस्पर संवाद लगभग बंद हो गया था— यह पहली बार है जब अपने सबसे शक्तिशाली इस भागीदार के साथ भारत के संबंध खतरनाक रूप से नए निचले स्तर पर हैं। पिछले कुछ दिनों में, काइट हाउस के उच्चतम गलियारों से तंज कसे गए हैं, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी को एक निवेदन करने वाले के रूप में दिखाया गया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप से कहा रु ‘सर, क्या मैं आपसे बात कर सकता हूं। हां, माना जाता है कि अमेरिका की ‘महान श्वेत आशा’ ने उत्तर दे दिया। पिछली बार जब एक प्रधानमंत्री —डॉ. मनमोहन सिंह— को एक अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष

विनीत जैसा पाया गया था (2008 में उन्होंने जॉर्ज डब्ल्यू बुश से कहा रु ‘भारत आपसे प्यार करता है’), तो देश में गुस्से का विस्फोट होना वाजिब था। सिर्फ 24 घंटे पहले, विदेश मंत्रालय ने मोदी द्वारा कही कथित बात को खारिज कर दिया। लेकिन संबंधों का यूं रसातल में जाते देखना बहुत बुरा लगा। एक चमकदार अतीत से जुड़ी अद्वितीय और महान सभ्यता के उत्तराधिकारी के रूप में भारतीय अभिजात वर्ग का अमेरिका द्वारा जिस प्रकार उपहास उड़ाया जा रहा है, महज इसलिए कि भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने की हिम्मत दिखाई— इस मामले में, कुछ अमेरिकी कृषि वस्तुओं पर आयात शुल्क घटाने से इंकार करना और सस्ते रूसी तेल की खरीद बंद करने से मना करना—वह बहुत परेशान करने वाला है। जैसा कि अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक ने एक पत्रकार से कहा, अमेरिकी प्रशासन ने



भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर सहमति देने के लिए तीन सप्ताह की मोहलत दी थी। इसके सिलसिले में मोदी को व्यक्तिगत रूप से ट्रंप को फोन कर समझौते पर हस्ताक्षर की रजामंदी जाहिर करनी थी। लेकिन प्रधानमंत्री ने फोन कॉल नहीं की। आखिरकार, जब भारतीय पक्ष ने संपर्क किया, तो लटनिक ने उनसे कहा रु ‘बहुत देर हो चुकी है’। निश्चित रूप से,

विदेश नीति के चुनौतीपूर्ण दौर से गुजरता देश

इसमें कुछ भी नया नहीं। भारत तो विशेष रूप से पश्चिमी नेताओं के सम्राटों की तरह पेश आने और अपना दबदबा दिखाए जाने का आदी है। विदेश मंत्रालय के अंदर, और बाहर भी, हर कोई उस दोगलेपन को समझता है जो बड़ी शक्तियों द्वारा खासकर शीत युद्ध के दौरान बरता जाता रहा, मीडिया ने उन्हें बेनकाब करने में कमी नहीं छोड़ी। समस्या यह है कि कम से कम पिछले 20 सालों से, भारत सोचता था कि वह अमेरिकियों के साथ खड़ा है। हमने उनका हास—परिहास अपनाया, हमारे बच्चे उनके कॉलेजों में गए —भारतीय माता—पिता ने अपना पेट काटकर उन्हें वहां भेजने के वास्ते डॉलर खरीदने के लिए बचतें की— और हमारी आईटी विशेषज्ञ पीढ़ी ने अमेरिका को बारंबार महान बनाने के लिए एचवन—बी वीजा लगवाया। हम बराबरी के थे। या कम से कम हम ऐसा सोचते रहे। विदेश

मंत्री एस जयशंकर, जोकि मोदी मंत्रिमंडल के सबसे समझदार लोगों में से एक हैं, पुराने भारत के नए भारत में रूपांतरित होने में भूमिका निभा चुके हैं। भारत के शीर्ष राजनयिकों में से एक होने के नाते उन्हें दोनों पक्षों के लोगों से दोस्ती करने का प्रशिक्षण प्राप्त है। जयशंकर के पिता के. सुब्रमण्यम ने तो 1971 में, बांग्लादेश युद्ध से पहले,पाकिस्तान के प्रति अमेरिका के ‘अत्यधिक झुकाव’ के लिए

तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री हेनरी किस्सिंजर को खरी—खरी सुनाई थी (सुब्रमण्यम ने किस्सिंजर से पूछा था, आप पाकिस्तान का समर्थन क्यों कर रहे हैं जबकि पाक सेना द्वारा नरसंहार से बचने के लिए लाखों पूर्वी पाकिस्तानी नागरिक भारत में शरण ले रहे हैं, करीब 1 करोड़, और क्या आपको यह भी याद नहीं कि आपके अपने समुदाय यानि यहूदियों ने हिटलर के हाथों क्या झेला था?)। नई वैश्विक व्यवस्था में, ट्रंप से हिल चुकी दुनिया के सामने भारत की विलक्षण स्थिति को, बतौर एक प्राचीन राष्ट्र जिसका लंबा औपनिवेशिक अतीत है, की स्थिति समझाने को जयशंकर एकदम उपयुक्त हैं। तो गलती कहां रही? ट्रंप का अमेरिका, मोदी के भारत का उपहास क्यों कर रहा , जबकि हम दोनों को एक पाले में होना चाहिए था, खासकर जब दुनिया को चीन से बचाने की कोशिश में हमारी ओर देखा जा रहा था? हमारे नए बेहतरीन दोस्त हमारे खिलाफ क्यों हो रहे हैं? इसके कई जवाब हैं, कुछ खुशगवार, कुछ उतने नहीं। पहला, ट्रंप का अहंकार— उन्हें लगता है दुनिया को स्थाई तौर पर उनकी पिछलग्गू बन जाना चाहिए। लेकिन जब

सिद्धार्थनगर का सबसे बड़ा फ़िटींग पब्लिकेशन हाउस... किसी भी स्कूल/कॉलेज/ऑफिस के लिए...

बुद्ध पब्लिकेशन ऑफसेट एण्ड प्रिन्टर्स

✦ जी.एस.टी. शिल बुक/फ़ार्म ✦ कार्यालय कीस्टट ✦ स्कूल कॉपी/फ़ार्म/बयरी ✦ फ़्लपेट ✦ कार्टोप्लेट ✦ कार्ट डिजिटलिंग कार्ड ✦ डैकट लेट पेड ✦ बैंक फ़ार्म

लिकट-टीरो एजेंसी, बीकानेर मधुकरपुर-सिद्धार्थनगर (उ.प्र.)

📞 8795951917, 9453824459

Website: www.budhakasandesh.com

✉ Email ID: budhakasandesh@gmail.com



नवीन पॉलीशेड्डी स्टारर अनागानागा ओका राजू का ट्रेलर रिलीज, 14 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म



अनगनगा ओका राजू का ट्रेलर एक भव्य अंदाज में शुरू होता है, जिसमें राजा अक्कीनेनी नागार्जुन गारू की दमदार आवाज सुनाई देती है। इस युवा कलाकार को राजा की आवाज मिली है, और उनकी आवाज ट्रेलर को तुरंत ही एक नया आयाम देती है और इस उत्सवपूर्ण मनोरंजन के लिए एकदम सही माहौल तैयार करती है।

स्टार कलाकार नवीन पॉलिशेड्डी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे आज के सबसे लोकप्रिय मनोरंजनकर्ताओं में से एक क्यों हैं। उनकी असाधारण हास्य-वृत्ति, सहज हास्य और ऊर्जावान स्क्रीन उपस्थिति ट्रेलर में छाई हुई है। हर पंचलाइन सटीक है, जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि यह फिल्म के भरपूर मनोरंजन की सिर्फ एक झलक है। ट्रेलर भरपूर मनोरंजन का आश्वासन देता है जो सभी आयु वर्ग के दर्शकों को पसंद आएगा।

मीनाक्षी चौधरी अपनी मासूमियत और आकर्षण से प्रभावित करती हैं। उनके किरदार से जुड़े हास्य को बखूबी पेश किया गया है, और नवीन पॉलिशेड्डी के साथ उनकी केमिस्ट्री लाजवाब है। प्रेम प्रसंग, पारिवारिक भावनाएं और परिस्थितिजन्य हास्य का अच्छा संतुलन है, जो कहानी को गहराई प्रदान करता है।

नवोदित निर्देशक मारी, नवीन पॉलिशेड्डी को एक ताजगी भरे और आकर्षक तरीके से प्रस्तुत करने के लिए विशेष प्रशंसा की पात्र हैं।

राव रमेश और अन्य कलाकारों सहित दमदार कलाकारों के सहयोग से बनी यह फिल्म यथार्थवादी और संपूर्ण लगती है। मिकी जे मेयर का बैकग्राउंड स्कोर ट्रेलर को एक ब्लॉकबस्टर फिल्म का एहसास दिलाता है, वहीं पहले से रिलीज हुए गाने चार्टबस्टर बन चुके हैं।

अनगनगा ओका राजू का निर्माण सीथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्युन फोर सिनेमाज के बैनर तले सूर्यदेवरा नागा वामसी और साई सौजन्या द्वारा किया गया है, जिसमें श्रीकारा स्टूडियो फिल्म प्रस्तुत कर रहा है।

पांडांगा की अल्लुडु वस्तुन्नाडु जैसे आकर्षक नारे के साथ, यह फिल्म एक बेहतरीन संक्रांति पारिवारिक मनोरंजन होने का वादा करती है, जो सभी को 14 जनवरी, 2026 को विश्व भर में बड़े पर्दे पर एक साथ जश्न मनाने के लिए आमंत्रित करती है।

भोजपुरी गाना कमर 28 रिलीज, आकांक्षा पुरी बोलीं- बेहद खास है लिरिक्स

अभिनेत्री और सिंगर आकांक्षा पुरी का लेटेस्ट भोजपुरी सिंगल कमर 28 म्यूजिक लेबल टी-सीरीज के तहत रिलीज हो चुका है। इस गाने में आकांक्षा भोजपुरी सिंगर नीलकमल सिंह के साथ नजर आ रही हैं, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। गाने को लेकर आकांक्षा बेहद उत्साहित हैं, जिसे जाहिर करते हुए उन्होंने बताया



कि कमर 28 उनके लिए बहुत खास है। उन्होंने कहा, यह गाना विशेष रूप से मुझे ध्यान में रखकर लिखा गया है। यही कारण है कि यह मेरे इतने करीब और बेहद खास है। लिरिक्स अपना सा और पर्सनल फील देते हैं। गाने की लिरिक्स धीरज बाबुआन ने लिखी है, जबकि म्यूजिक एडीआर आनंद का है। आकांक्षा और नीलकमल की जोड़ी हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर धूम मचा रही है। दर्शकों को उनकी केमिस्ट्री पसंद आ रही है। नीलकमल के साथ अपने रिश्ते पर आकांक्षा ने खुलकर बात की। उन्होंने बताया, हमारे बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग है और हम दोनों के बीच दोस्ती का खूबसूरत रिश्ता है। नीलकमल बहुत क्रिएटिव हैं और उनके साथ शूटिंग करना मजेदार लगता है। हम आउटफिट्स, हेयरस्टाइल से लेकर कलर थीम्स तक सब कुछ पहले से प्लान करते हैं, जिससे शूटिंग और भी रोमांचक हो जाती है। मुझे उनका इन्वॉल्वमेंट और डेडीकेशन बहुत पसंद है। उनके साथ काम करके उत्साहित हूँ। कमर 28 के बाद आकांक्षा के अगले चार महीनों में चार और गाने रिलीज होने वाले हैं। आकांक्षा पुरी ने मुख्य रूप से म्यूजिक वीडियोज और गानों के जरिए भोजपुरी इंडस्ट्री में काफी लोकप्रियता हासिल की है। वह पवन सिंह के साथ तुझे ना देखूँ तो चौन जैसे गाने में नजर आ चुकी हैं। वहीं, खेसारी लाल यादव के साथ उनकी जोड़ी सुपरहिट रही है, खेसारी के साथ आकांक्षा लटक जईब, बदनाम तहरा से, सरसों के तेलवा, लोहा गरम और अहिरान में काम कर चुकी हैं। ये गाने लाखों व्यूज बटोर चुके हैं। वीडियो सॉन्ग के बाद आकांक्षा भोजपुरी फिल्मों में भी डेब्यू कर रही हैं। वह खेसारी लाल के साथ फिल्म अग्निपरीक्षा में नजर आएंगी।

वेंकटेश पेद्दापलेम की एक्शन क्राइम एंटरटेनर वन/4 (वन बाय फोर)की रिलीज डेट से उठा पर्दा, 30 जनवरी को रिलीज होने के लिए तैयार फिल्म

तेजस गुंजल फिल्म्स और रोहित गुंजल फिल्म्स गर्व से एक्शन क्राइम ड्रामा वनध्4 प्रस्तुत करते हैं, जिसमें वेंकटेश पेद्दापलेम, अपर्णा मल्लिक और हीना सोनी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का



निर्देशन बाहुबली पलानी के ने किया है, जिन्होंने इससे पहले ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली में एसोसिएट डायरेक्टर के रूप में काम किया था। रंजना राजेश गुंजल और रोहित रामदास गुंजल द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित, वनध्4 30 जनवरी को 200 सिनेमाघरों में भव्य विश्वव्यापी रिलीज के लिए तैयार है।

इस अवसर पर बोलते हुए, फिल्म यूनिट ने बताया, वनध्4 (वन बाय फोर) एक रोमांचक एक्शन क्राइम एंटरटेनर है, जिसका कॉन्सेप्ट बिल्कुल नया है। असल जिंदगी में हम अक्सर जुबान फिसलने के परिणामों को कम आंकते हैं, लेकिन इसका असर जिंदगी बदल देने वाला हो सकता है। यह फिल्म दिखाती है कि जब एक छोटी सी गलती अप्रत्याशित अपराधों की एक श्रृंखला को जन्म देती है तो क्या होता है।

इस फिल्म में जबरदस्त एक्शन सीन, कलाकारों का दमदार अभिनय, सागर मास्टर की ऊर्जावान कोरियोग्राफी और सुभाष आनंद का मनमोहक संगीत है। निर्देशक पलानी के. की दृ श्यात्मक कहानी, जो एसएस राजामौली की भव्य कथा शैली से प्रेरित है, दर्शकों को बिना किसी नीरस क्षण के बांधे रखती है। हर फ्रेम को सस्पेंस और गति बनाए रखने के लिए बारीकी से तैयार किया गया है।

टीम ने विश्वासपूर्वक कहा कि वनध्4 एक हाई-वोल्टेज सिनेमाई अनुभव प्रदान करेगा और 30 जनवरी को दुनिया भर में रिलीज होने पर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने का वादा करता है।

सामंथा की मां इंटी बंगारम का टीजर रिलीज, एक्शन अवतार में नजर आई एक्ट्रेस

एक्ट्रेस-प्रोड्यूसर सामंथा रुथ प्रभु की नई फिल्म श्मां इंटी बंगारमघ का टीजर आज रिलीज हो गया है। फिल्म को लेकर काफी दिनों से इंतजार था। अब आज टीजर देखने के बाद फैंस का



उत्साह फिल्म के लिए और भी बढ़ गया है। टीजर में इमोशन से लेकर एक्शन तक देखने को मिल रहा है। यहां जानते हैं कैसा है फिल्म का टीजरज

सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम पर बहुप्रतीक्षित टीजर साझा किया है। 1 मिनट 47 सेकंड के इस टीजर की शुरुआत में एक महिला (सामंथा) अपने पति के साथ ससुराल पहुंचती है। वह आत्मविश्वास से वादा करती है कि एक हफ्ते के भीतर वह उनका दिल जीत लेगी। एक आदर्श बहू बनने की कोशिश में वह एक पूरी तरह से कमीशन जांच शुरू कर देती है। हालांकि, वह अपने ससुराल वालों के सामने मासूम और शांत दिखती है। टीजर में सामंथा को एक दमदार एक्शन रोल में दिखाया गया है। उन्हें अकेले ही गुंडों को ढेर करते, भीषण गोलीबारी में शामिल होते और बाद में लाशों को ठिकाने लगाकर खून-खराबे को छिपाते हुए देखा जा सकता है। टीजर शेयर करते हुए सामंथा ने कैप्शन में लिखा, श्यह गोल्ड बेहद बोल्ड है।

इस फिल्म का निर्माण सामंथा के पति राज निदिमोरु ने किया है। जबकि फिल्म का निर्देशन नंदिनी रेड्डी ने किया है। नंदिनी और सामंथा की जोड़ी ओह! बेबी के बाद दोबारा साथ में लौटी है। सामंथा के साथ फिल्म में गुलशन देवैया और दिगंथ मुख्य भूमिकाओं में हैं। जबकि दिग्गज अभिनेत्रियां गौतमी और मंजुषा अहम किरदारों में नजर आएंगी। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है।

टीजर दर्शकों को काफी पसंद आया है। कई यूजर्स ने सामंथा की बड़े पर्दे पर दमदार वापसी पर खुशी जताई है। एक फैन ने लिखा कि टीजर देखकर रोंगटे खड़े हो गए। फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। जबकि एक ने लिखा की जबरदस्त एक्शन देखने को मिल रहा है। तो वहीं कई प्रशंसकों ने सामंथा को एक्शन अवतार में देखकर खुशी जताई है।

फैंस को सबसे ज्यादा बस में सामंथा का एक्शन सीन काफी पसंद आ रहा है, जहां वो साड़ी पहनकर जबरदस्त एक्शन करती नजर आ रही हैं।

ब्रेड से सैंडविच के अलावा भी बनाकर खाए जा सकते हैं ये 5 लजीज व्यंजन



ज्यादातर लोग सुबह के नाश्ते में ब्रेड खाना पसंद करते हैं। यह कार्ब्स का बढ़िया स्रोत है और पेट भी भर देती है। आम तौर पर लोग या तो ब्रेड में मक्खन लगा कर खा लेते हैं या फिर उसका सैंडविच बना लेते हैं। हालांकि, इस खाद्य पदार्थ से सैंडविच के अलावा भी कई स्वादिष्ट व्यंजन बनाए जा सकते हैं। आज के लेख में हम आपको ब्रेड के 5 लजीज पकवानों की रेसिपी बताने वाले हैं।

ब्रेड पोहा

ब्रेड पोहा बेहतरीन नाश्ता है, जो बच्चों को खास तौर से पसंद आता है। इसके लिए पैन में तेल गर्म करके उसमें राई, करी पते और मिर्च भूनें। अब इसमें बारीक कटे प्याज, गाजर, शिमला मिर्च और बींस को अच्छी तरह भून लें। इसके बाद इसमें हल्दी और टमाटर डालकर पकने दें। ब्रेड को छोटे टुकड़ों में काटकर इसमें डालें। इसमें नमक, लाल मिर्च पाउडर और गरम मसाला मिलाएं। प्लेट में निकालकर इस पर नींबू का रस और धनिया छिड़कें।

ब्रेड लजानिया

ब्रेड लजानिया बनाने के लिए क्रीम, मक्खन, मैदा, चीज और सीजनिंग मिलाकर सफेद सॉस तैयार करें। इसके बाद शिमला मिर्च, गाजर, कॉर्न, प्याज, मशरूम, मिर्च और पसंद की सब्जियों को काटकर भून लें। इसमें मसाले और पिज्जा-पास्ता सॉस शामिल करें। एक बेकिंग डिश में ब्रेड की परत बिछाएं और ऊपर से दोनों सॉस और चीज भी डालें। एक-एक करके परत बनाते जाएं और लजानिया को बेक कर लें। ऊपर से चिली प्लेक्स और ओरिगेनो जैसी सीजनिंग डालकर खाएं।

ब्रेड पिज्जा

पिज्जा खाने का मन करे तो झटपट ब्रेड पिज्जा बनाकर खा लें। इसके लिए पिज्जा बेस की जगह पर ब्रेड का इस्तेमाल किया जाएगा। ब्रेड के ऊपर मक्खन, पिज्जा-पास्ता सॉस, मेयोनीज और चीज स्प्रेड लगाएं। इसके बाद इसपर टमाटर, मशरूम, कॉर्न, पनीर, प्याज, शिमला मिर्च और ब्रोकली आदि रखें। ऊपर से मोजेरेला चीज डालें और सीजनिंग भी छिड़क दें। अब ब्रेड को तवे पर ढककर सेक लें और आपका ब्रेड पिज्जा तैयार हो जाएगा।

ब्रेड पकौड़ा

ब्रेड से बनने वाले पकौड़े चाय के साथ बहुत स्वादिष्ट लगते हैं। इसके लिए उबले आलू में मसाले मिलाकर एक जायकेदार फिलिंग तैयार करें। इसके बाद एक कटोरे में नमक, बेसन, पानी और मसाले मिलाकर घोल तैयार करें। 2 ब्रेड के बीच में फिलिंग भरे और उसे बेसन वाले घोल में डुबोएं। अब कढ़ाई में तेल गर्म करके पकौड़ों को तल लें। इन्हें हरी चटनी और सॉस के साथ परोसें।

ब्रेड ढोकला: ब्रेड ढोकला तैयार करने के लिए पहले ब्रेड के किनारे वाले भूरे हिस्से को काट लें। एक कटोरे में दही, ताजा कटा हरा धनिया, हरी मिर्च, नमक और काली मिर्च का पाउडर मिलाएं। इस मिश्रण को ब्रेड पर फैलाएं और ऊपर से दूसरी ब्रेड रख दें। तवे पर तेल गर्म करें और उसमें राई, हल्दी और करी पत्तों को भूनें। अब इस तड़के पर ब्रेड वाले ढोकले रखें और उन्हें दोनों तरफ से सेंकने के बाद चटनी के साथ खाएं।